इंडोनेशिया ने ब्रिक्स समूह में शामिल होने की घोषणा की

संदर्भः हाल ही में इंडोनेशिया ने औपचारिक रूप से ब्रिक्स समूह में शामिल होने की घोषणा की है, जिससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस गठबंधन का विस्तार हुआ है जिसमें रूस, चीन, ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इंडोनेशिया अब आधिकारिक रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स (BRICS) का पूर्ण सदस्य (11वां) बन गया है। इस कदम को वैश्विक राजनीति में एक प्रवृत्ति के रूप में देखा जा रहा है जहां देश पश्चिमी वर्चस्व, विशेषकर आर्थिक मामलों में, का मुकाबला करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

इस समूह में शामिल होने के पीछे के कारणः

- **वैश्विक प्रभाव को मजबूत करनाः** इंडोनेशिया वैश्विक शासन में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए ब्रिक्स में शामिल हो रहा है, क्योंकि यह समूह विश्व की वृहद् आबादी और आर्थिक शक्ति के एक महत्वपूर्ण हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।
- **आर्थिक विकास और व्यापार के अवसरः** ब्रिक्स इंडोनेशिया को व्यापक व्यापार संबंधों और बाजारों, निवेशों और बुनियादी ढांचे के विकास तक बेहतर पहुंच प्रदान करता है, जिससे समूह के भीतर आर्थिक सहयोग बढ़ता है।
- **डॉलर-विमुद्रीकरण प्रयासः** ब्रिक्स के हिस्से के रूप में, इंडोनेशिया को अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और वैकल्पिक व्यापार तंत्रों और मुद्राओं का पता लगाने के प्रयासों से लाभ होता है, जिससे इसकी आर्थिक संप्रभुता मजबूत होती है।
- **वैश्विक संस्थानों में सुधारः** इंडोनेशिया आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार की वकालत करने में ब्रिक्स के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य अधिक समावेशी और निष्पक्ष वैश्विक आर्थिक व्यवस्था है।
- **ग्लोबल साउथ सहयोगः** इंडोनेशिया की सदस्यता ग्लोबल साउथ में अन्य विकासशील देशों के साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देती है, जिससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं की जरूरतों के लिए सामूहिक आवाज में योगदान होता है।
- **बहुपक्षवाद और कूटनीतिः** ब्रिक्स सदस्यता इंडोनेशिया की विदेश नीति के अनुरूप है, जोकि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर बहुपक्षवाद और सहयोग का समर्थन करती है।

ब्रिक्स क्या है?

- ब्रिक्स एक अंतर सरकारी संगठन है जिसमें ग्यारह देश शामिल हैं। प्रारंभ में निवेश रणनीतियों पर केंद्रित, ब्रिक्स एक भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक ब्लॉक के रूप में विकसित हुआ है जो बहुपक्षीय नीतियों और सहयोग को बढ़ावा देता है।
- 'ब्रिक' शब्द का निर्माण पहली बार 2001 में अर्थशास्त्री जिम ओश्नील ने ब्राजील, रूस, भारत और चीन में निवेश के अवसरों को उजागर करने के लिए किया था। पहला औपचारिक शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में हुआ था, जहां इन चार देशों ने वैश्विक आर्थिक मुद्दों और सहयोग पर चर्चा की थी।
- दक्षिण अफ्रीका 2010 में समूह में शामिल हुआ और 24 दिसंबर, 2010 को आधिकारिक तौर पर सदस्य बन गया। संगठन का नाम बदलकर 'ब्रिक्स' कर दिया गया।

ब्रिक्स के मुख्य उद्देश्यः

- ब्रिक्स का उद्देश्य आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों में सुधार करना है, जोकि पश्चिमी शक्तियों के वर्चस्व को चुनौती देता है।
- फोकस के प्रमुख क्षेत्रों में बहुपक्षीय विकास, व्यापार सहयोग, वित्तीय स्थिरता, सतत विकास और डॉलर-आधारित वित्तीय प्रणाली के विकल्प बनाना शामिल है।

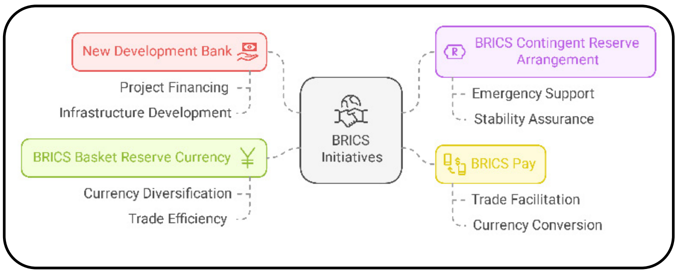

ब्रिक्स की मुख्य पहलः

ब्रिक्स ने कई प्रमुख पहल शुरू की हैं:

- **न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी):** एक वैश्विक वित्तीय संस्थान जिसका उद्देश्य विकास परियोजनाओं के लिए ऋण प्रदान करना है।
- **ब्रिक्स आकस्मिक रिजर्व व्यवस्थाः** वित्तीय संकट के दौरान सदस्य राज्यों की सहायता के लिए 100 बिलियन डॉलर का फंड।
- **ब्रिक्स पेः** सदस्यों के बीच व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक डिजिटल भुगतान प्रणाली।
- **ब्रिक्स बास्केट रिजर्व करेंसीः** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व के विकल्प के रूप में प्रस्तावित।

एनीमियाफोन

संदर्भः हाल ही में कॉर्नेल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित, एनीमियाफोन एक अभिनव तकनीक है जोकि आयरन की कमी का सटीक, त्वरित और किफायती मूल्यांकन करने में सक्षम है। यह तकनीक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को हस्तांतरित कर दी गई है जिससे इसे पूरे देश में एनीमिया, महिला स्वास्थ्य और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए अपने कार्यक्रमों में एकीकृत किया जा सके।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR: 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR: 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

एनीमियाफोन के बारे में:

- एनीमियाफोन को आयरन की कमी, जोकि एनीमिया का एक प्रमुख कारण है, के निदान के लिए एक त्वरित, सटीक और लागत-प्रभावी तरीका प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह तकनीक तेजी से जांच और निदान में सहायता करेगी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां स्वास्थ्य सेवा संसाधन सीमित हो सकते हैं। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो 50% से 70% गर्भवती महिलाओं को प्रभावित करती है।

एनीमियाफोन कैसे काम करता है?

- इस परीक्षण में, व्यक्ति की उंगली से एक छोटी सी रक्त की बूंद ली जाती है। इस रक्त की बूंद को एक विशेष प्रकार की टेस्ट स्ट्रिप पर लगाया जाता है। यह टेस्ट स्ट्रिप कोविड-19 परीक्षण वाली स्ट्रिप के समान होती है। कुछ ही मिनटों में, परिणाम उपलब्ध हो जाते हैं और इन्हें मोबाइल फोन, वायरलेस टैबलेट या कंप्यूटर के माध्यम से एक क्लिनिकल डेटाबेस में अपलोड किया जा सकता है। इस तरह, सभी परीक्षण परिणामों का एक केंद्रीय रिकॉर्ड रखा जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों को रोगियों की देखभाल करने में मदद मिलती है।

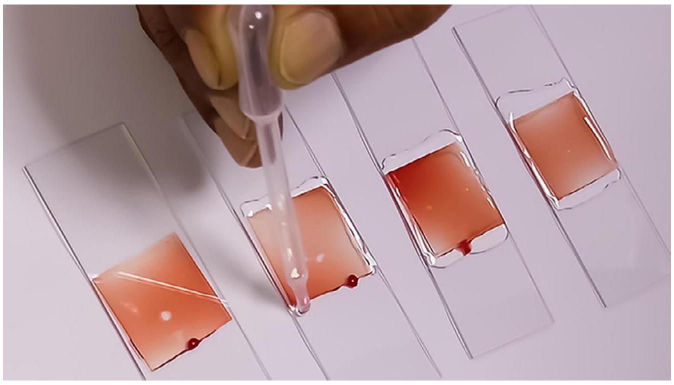

एनीमियाफोन के प्रमुख लाभ:

एनीमियाफोन कई लाभ प्रदान करता है जोकि इसे भारत में एनीमिया के खिलाफ लड़ाई में एक अमूल्य उपकरण बनाते हैं:

- **सस्ती:** यह पारंपरिक प्रयोगशाला परीक्षणों का एक कम लागत वाला विकल्प है। पोर्टेबिलिटी: डिवाइस छोटा है, जिससे इसे दूरस्थ क्षेत्रों में ले जाना और उपयोग करना आसान हो जाता है।
- **त्वरित परिणाम:** यह मिनटों के भीतर परिणाम प्रदान करता है, जिससे तत्काल कार्रवाई सक्षम हो जाती है।
- **वायरलेस एकीकरण:** परिणाम सीधे एक क्लिनिकल डेटाबेस में अपलोड किए जाते हैं, जिससे मैन्युअल डेटा एंट्री की आवश्यकता कम हो जाती है।
- **उपयोग में आसानी:** डिवाइस संचालित करने में आसान है और स्वास्थ्य कर्मियों को इसका उपयोग करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।

महत्व:

- भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एनीमियाफोन के एकीकरण से समय पर निदान तक पहुंच बढ़ेगी और विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया से निपटने में मदद मिलेगी, जिससे बेहतर मातृ और शिशु स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त होंगे।

एनीमिया के बारे में:

- एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें रक्त में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर के विभिन्न अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसके सामान्य लक्षणों में थकान, कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। एनीमिया की गंभीरता हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकती है और कुछ मामलों में यह जीवन के लिए खतरा भी साबित हो सकता है। इसके कई कारण हो सकते हैं और इसका उपचार अंतर्निहित कारण पर निर्भर करता है।

भारत में आयरन की कमी की समस्या :

- विशेष रूप से आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया रोग, भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार, लगभग 59% महिलाएं और 6-59 महीने की आयु के 47% बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं।
- इस स्थिति के गंभीर परिणाम होते हैं, जिनमें थकान, सांस लेने में तकलीफ और चरम मामलों में अंग विफलता, प्रसव के दौरान जटिलताएं और यहां तक कि मृत्यु भी शामिल है। भारत में उच्च मातृ और शिशु मृत्यु दर एनीमिया से निकटता से जुड़ी हुई है, जिससे यह देश के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है।

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट

सन्दर्भ: हाल ही में केंद्र सरकार ने जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट (जीआईपी) के पूरा होने की घोषणा की, जोकि भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक प्रमुख विकास है। इस परियोजना ने 10,000 जीनोम का एक अनुक्रमण डेटाबेस का अनावरण किया, जोकि भारत की विशाल आनुवंशिक विविधता को प्रदर्शित करता है। भारतीय जैव डेटा केंद्र (आईबीडीसी) में संचित यह विशाल आनुवंशिक डेटाबेस, स्वास्थ्य सेवा, जैव चिकित्सा अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट के बारे में :

- जनवरी 2020 में लॉन्च किया गया, जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट का उद्देश्य

भारत की आबादी की एक व्यापक आनुवंशिक सूची तैयार करना था। विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों के 10,000 व्यक्तियों के जीनोम का अनुक्रमण करके, इसने भारतीय उपमहाद्वीप की विशिष्ट आनुवंशिक विविधताओं को उजागर करने वाला एक डेटाबेस बनाया है।

- इस पहल को 20 से अधिक संस्थानों के एक संघ द्वारा निष्पादित किया गया था, जिनमें शामिल हैं:
  - » दिल्ली, मद्रास और जोधपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी।
  - » भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु।
  - » वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)।
  - » जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार केंद्र (बीआरआईसी)।
- यह सहयोग भारत के मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित करता है, जो बड़े पैमाने पर, वैज्ञानिक परियोजनाओं को संभालने में सक्षम है।

जीनोम अनुक्रमण की भूमिका:

- जीनोम अनुक्रमण, जोकि किसी जीव के पूर्ण आनुवंशिक संयोजन को डिकोड करता है, परियोजना के केंद्र में है। यह उन आनुवंशिक भिन्नताओं की पहचान करता है जो लक्षणों, रोग संवेदनशीलता और अनुकूलन को प्रभावित करती हैं, जिससे यह परिशुद्ध चिकित्सा और जनसंख्या-विशिष्ट अनुसंधान के लिए आधारशिला बन जाता है।

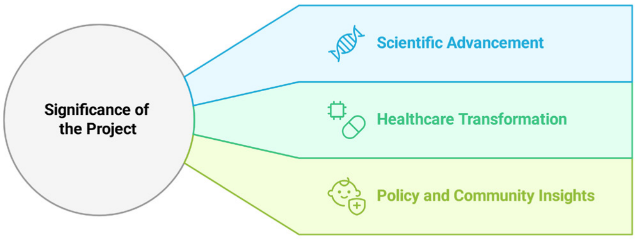

परियोजना का महत्व

- **वैज्ञानिक प्रगति:**
  - » शोधकर्ताओं को स्वास्थ्य और रोग पर आनुवंशिक प्रभावों का पता लगाने के लिए एक मूल्यवान डेटासेट प्रदान करता है।
  - » भारत के विविध जनसांख्यिकीय समूहों की आनुवंशिक संरचना को समझने के लिए एक आधार स्थापित करता है।
- **स्वास्थ्य परिवर्तन:**
  - » भारतीय आनुवंशिक प्रोफाइलों के अनुरूप परिशुद्ध चिकित्सा के विकास की सुविधा प्रदान करता है।
  - » आनुवंशिक और संक्रामक रोगों के उपचार में प्रगति का समर्थन करता है।
- **नीति और सामुदायिक अंतर्दृष्टि:**
  - » साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के लिए डेटा प्रदान करता है।
  - » विभिन्न समुदायों की जीवन शैली और अनुकूलन को समझने में वृद्धि करता है, लक्षित स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में सहायता करता है।

अनुप्रयोग और भविष्य की क्षमता:

- जीआईपी भारत को जीनोमिक्स और जैव प्रौद्योगिकी में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करता है। इसके दीर्घकालिक अनुप्रयोगों में शामिल हैं:
  - » **परिशुद्ध चिकित्सा:** आनुवंशिक प्रोफाइलों के आधार पर अनुकूलित उपचार।
  - » **दवा विकास:** नए दवा लक्ष्यों और उपचारों की पहचान।
  - » **सार्वजनिक स्वास्थ्य:** आनुवंशिक विकारों सहित रोगों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतर्दृष्टि।
- इसके अतिरिक्त, यह परियोजना जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते एकीकरण के साथ संरेखित है, जोकि अभिनव, डेटा-संचालित समाधानों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

निष्कर्ष:

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट एक अभूतपूर्व पहल है जोकि समाज के लाभ के लिए विज्ञान का उपयोग करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। एक मजबूत आनुवंशिक डेटाबेस बनाकर, यह परियोजना न केवल भारत की जैव प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाती है बल्कि स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण सुधारों की नींव भी रखती है। यह परियोजना एक समावेशी और वैज्ञानिक रूप से उन्नत राष्ट्र के निर्माण में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतीक है।

समलैंगिक विवाह

संदर्भ: हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने संबंधी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई, सूर्यकांत, बी वी नागरत्न, पी एस नरसिम्हा और दिपांकर दत्ता की न्यायाधीशों की पीठ ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस रवींद्र भट द्वारा लिखित बहुमत के निर्णय को पूर्णतः समर्थन दिया।

2023 का समलैंगिक विवाह पर फैसला:

- सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2023 में दिए गए अपने निर्णय में विशेष विवाह अधिनियम, 1954 में संशोधन करने से इनकार कर दिया। अदालत का मानना है कि संविधान में विवाह को एक असीमित अधिकार के रूप में नहीं देखा जा सकता है और समलैंगिक जोड़े विवाह को एक मौलिक अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकते। अतः, अदालत ने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने का दायित्व संसद पर छोड़ दिया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

समलैंगिक विवाह के बारे में:

- समलैंगिक विवाह समान लिंग के व्यक्तियों के बीच विवाह की कानूनी और सामाजिक मान्यता को संदर्भित करता है। इसमें दो समान लिंग के व्यक्ति एक-दूसरे से विवाह करते हैं, ठीक उसी तरह जैसे विपरीत लिंग के जोड़े करते हैं। इस विवाह में दोनों पक्षों को समान कानूनी अधिकार और जिम्मेदारी प्राप्त होती हैं।

भारत में समलैंगिक विवाह की वैधता:

- भारत में, विवाह को संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, लेकिन इसे एक वैधानिक अधिकार माना जाता है। इसका अर्थ है कि विवाह के अधिकार को संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, बल्कि यह विभिन्न कानूनों और न्यायिक निर्णयों के माध्यम से विकसित हुआ है।
- हालांकि, विशेष विवाह अधिनियम, 1954, धर्म की परवाह किए बिना नागरिक विवाहों के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है, अदालत ने अभी तक इसे समलैंगिक विवाहों तक नहीं बढ़ाया है, इस बात पर जोर देते हुए कि विवाह एक पूर्ण संवैधानिक अधिकार नहीं है। समलैंगिक जोड़ों को वर्तमान में समान कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है और यह संसद पर निर्भर करता है कि वह विशेष विवाह अधिनियम जैसे कानूनों में संशोधन करके समलैंगिक संघों को समायोजित करे।
- हालांकि, नवंबर 2018 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 के कुछ हिस्सों को रद्द करके समलैंगिकता को अपराधमुक्त कर दिया, जोकि वयस्कों के बीच सहमति से होने वाले समलैंगिक कृत्यों को दंडित करता था। इस फैसले में माना गया कि इस तरह के प्रावधान LGBTQ समुदाय के मौलिक अधिकारों, विशेष रूप से समानता, गोपनीयता और स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। इसने पुष्टि की कि LGBTQ व्यक्तियों के अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 के तहत सुरक्षित हैं, जोकि समानता, गैर-भेदभाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देते हैं।

भारत में समलैंगिक विवाह का भविष्य:

- हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है, फिर भी LGBTQ+ समुदाय और उनके समर्थक लगातार संसद पर दबाव बना रहे हैं कि वह समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाला कानून बनाए। अब यह संसद पर निर्भर करता है कि वह मौजूदा कानूनों में संशोधन करके भारत में समलैंगिक संघों को मान्यता देने के लिए आवश्यक कानूनी ढांचा प्रदान करे।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना

सन्दर्भ: हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए एक नई कैशलेस उपचार योजना शुरू की। यह योजना प्रति घटना 1.5 लाख रुपये तक के उपचार लागत को कवर करती है, बशर्ते पुलिस को दुर्घटना के बारे में 24 घंटे के भीतर सूचित किया जाए। योजना यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखती है कि दुर्घटना के बाद महत्वपूर्ण 'गोल्डन आवर' के दौरान पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त हो।

योजना की विशेषताएं:

- यह योजना मोटर वाहनों से जुड़ी सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होती है। पीड़ितों का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कराया जाना चाहिए।
- पीड़ितों को सात दिनों तक के उपचार अवधि के लिए आघात और बहु-आघात मामलों के लिए स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सकते हैं।
- दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने पर ही उपचार कवर किया जाएगा।
- एनएचए (National Health Authority) पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से योजना के कार्यान्वयन का निरीक्षण करेगा।
- एनएचए एक ऐसी तकनीकी व्यवस्था का प्रबंधन करेगा जोकि सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में दावों और इलाज के लिए भुगतान की प्रक्रिया को स्वचालित और सरल बनाएगी। यह व्यवस्था ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ईडीएआर) एप्लिकेशन और लेनदेन प्रबंधन प्रणाली को जोड़कर काम करेगी।

योजना के लाभ:

- यह योजना सुनिश्चित करती है कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को महत्वपूर्ण 'गोल्डन आवर' के दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्राप्त हो, जिससे जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है।
- यह 1.5 लाख रुपये तक के चिकित्सा खर्चों को कवर करके वित्तीय

राहत प्रदान करती है, जिससे तत्काल उपचार के लिए वित्तीय बाधा दूर होती है।

- यह राष्ट्रव्यापी लागू है, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दुर्घटना पीड़ितों के लिए कवरेज और समर्थन प्रदान करती है।
- इस योजना के माध्यम से समय पर चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करके, न केवल सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को कम कर सकते हैं बल्कि पीड़ितों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकते हैं।

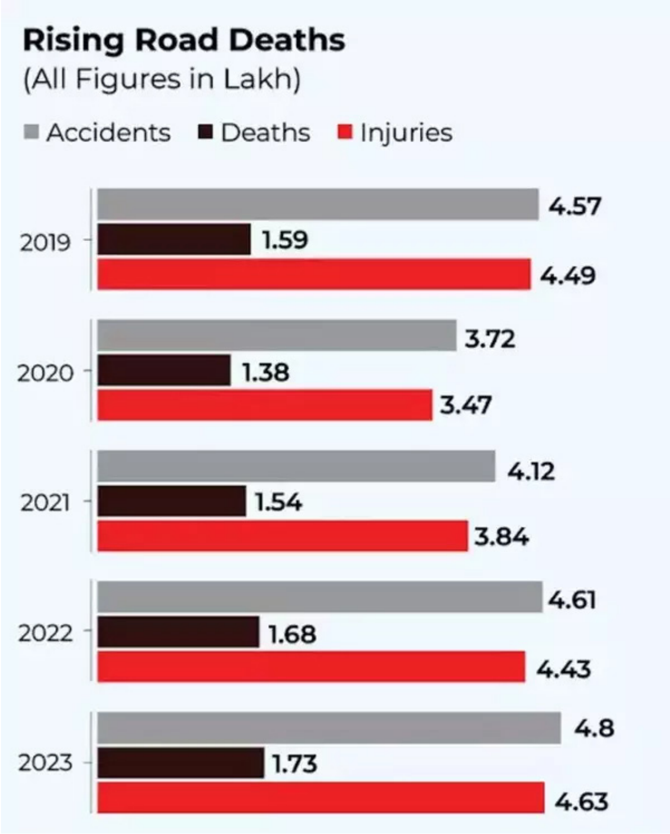

भारत में सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाएं (2023):

- **कुल दुर्घटनाएं:** 4.80 लाख सड़क दुर्घटनाएं, 2022 की तुलना में 4.2% की वृद्धि।
- **मृत्यु:** 1.72 लाख से अधिक मौतें, प्रतिदिन 1,317 दुर्घटनाएं और 474 मौतें।
- **सर्वाधिक मृत्यु दर वाला राज्य:** उत्तर प्रदेश में 44,000 दुर्घटनाओं से 23,650 मौतें दर्ज की गईं।
- **मृत्यु का प्राथमिक कारण:** 68.1% मौतों के लिए ओवरस्पीडिंग जिम्मेदार है।
- **सुरक्षा गियर की कमी:** हेलमेट न पहनने के कारण 54,000 मौतें, सीट बेल्ट न पहनने के कारण 16,000 मौतें।
- **ड्राइविंग उल्लंघन:** बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने से 34,000 से अधिक दुर्घटनाएं, ओवरलोडिंग से 12,000 मौतें।
- **बुनियादी ढांचे के मुद्दे:** गड्ढे, अपर्याप्त क्रॉसिंग और वाहनों की खराब ब्रेकिंग सिस्टम।
- **व्यवहार संबंधी मुद्दे:** लापरवाही से गाड़ी चलाना, तेज रफ्तार और कमजोर यातायात कानून प्रवर्तन।
- **आर्थिक प्रभाव:** सड़क दुर्घटनाओं की वार्षिक लागत भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 5-7% है।
- **समाज पर प्रभाव:** दुर्घटनाओं का वित्तीय बोझ असमान रूप से पड़ता है, विशेषकर गरीबों पर।
- **स्वास्थ्य देखभाल बोझ:** अपर्याप्त स्वास्थ्य बीमा के कारण जेब से बाहर होने वाले खर्चों में वृद्धि।

सड़क सुरक्षा पहल:

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति (2010)।
- सड़क सुरक्षा पर सर्वोच्च न्यायालय की समिति (SCCoRS)
- मोटर वाहन संशोधन अधिनियम (2019)
- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह/सप्ताह
- सहायकों की रक्षा के लिए गुड समारिटन कानून

वैश्विक सड़क सुरक्षा लक्ष्य:

- भारत ने ब्राजीलिया घोषणा पर हस्ताक्षर करके और सड़क सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्रवाई के दशक (2021-2030) में सक्रिय रूप से भाग लेकर वैश्विक सड़क सुरक्षा प्रयासों में अहम भूमिका निभाई है।

आगे की राह:

सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार, यातायात कानूनों को लागू करना, जागरूकता को बढ़ावा देना और एआई-आधारित यातायात प्रबंधन प्रणालियों को एकीकृत करना।

विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (WESP) 2025 रिपोर्ट

संदर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (WESP) 2025 रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2.8% पर स्थिर रहने का अनुमान लगाया गया है, जोकि पिछले वर्ष के समान है।

WESP 2025 रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

- **वैश्विक वृद्धि मंद गति से बनी हुई है:** उच्च ऋण स्तर, धीमी उत्पादकता वृद्धि और कमजोर निवेश के कारण 2024 और 2025

दोनों वर्षों में वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2.8% रहने का अनुमान है, जोकि पूर्व-महामारी औसत 3.2% से कम है।

- **लचीलापन:** वैश्विक अर्थव्यवस्था ने कई आर्थिक झटकों के प्रति लचीलापन प्रदर्शित किया है, लेकिन धीमी उत्पादकता वृद्धि और उच्च ऋण जैसे अंतर्निहित संरचनात्मक मुद्दे प्रगति पर अंकुश लगा रहे हैं।
- **क्षेत्रीय विकास में भिन्नता:** क्षेत्रों में विकास भिन्न-भिन्न हैं। जबकि अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में विकास धीमा है, भारत, पूर्वी एशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं अधिक आशाजनक वृद्धि दर दिखाती हैं।
- **मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति:** वैश्विक मुद्रास्फीति में 2024 में 4% से घटकर 2025 में 3.4% होने का अनुमान है, जोकि घरों और व्यवसायों के लिए कुछ राहत प्रदान करता है। कई केंद्रीय बैंकों द्वारा मुद्रास्फीति कम होने के साथ-साथ ब्याज दरों में कमी की उम्मीद है, हालांकि विकासशील देशों को अभी भी मुद्रास्फीति की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
- **व्यापार और भू-राजनीतिक जोखिम:** वैश्विक व्यापार में 2025 में मामूली 3.2% की वृद्धि होने की उम्मीद है, व्यापार नीतियों में तनाव और भू-राजनीतिक संघर्ष स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

2025 में भारत की संभावित वृद्धि:

WESP 2025 रिपोर्ट में भारत एक प्रमुख प्रदर्शनकर्ता है, जिसकी अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.6% है, जो इसे दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाती है। इस सकारात्मक दृष्टिकोण में कई कारक योगदान करते हैं:

- **निजी खपत और निवेश:** भारत की मजबूत निजी खपत और विशेष रूप से बुनियादी ढांचे में निवेश में वृद्धि, इसकी आर्थिक वृद्धि के प्रमुख चालक हैं। बुनियादी ढांचे में पूंजीगत व्यय (CapEx) पर सरकार का जोर महत्वपूर्ण दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्रदान करने की उम्मीद है, जिसमें बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन शामिल हैं।
- **रुपये पर दबाव कम होना:** अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण दबाव में रहे भारतीय रुपये के आने वाले वर्ष में स्थिर होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में अमेरिकी मौद्रिक नीतियों के ढीले होने के कारण दक्षिण एशियाई मुद्राओं, जिसमें रुपया भी शामिल है, पर मूल्यह्रास दबाव कम होने का संकेत दिया गया है, जो इस क्षेत्र में अधिक निवेश को आकर्षित करेगा। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ावा मिल सकता है और अर्थव्यवस्था के लिए कुछ राहत प्रदान कर सकता है।
- **क्षेत्रीय विकास चालक:** भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में विस्तार जारी रहने का अनुमान है। विशेष रूप से, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी सेवाओं में भारत की बढ़ती उपस्थिति देश के निर्यात प्रदर्शन को मजबूत समर्थन प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, 2024 में अनुकूल मानसून सीजन से 2025 में कृषि उत्पादकता में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।
- **श्रम बाजार और लैंगिक अंतर:** भारत में श्रम बाजार संकेतक मजबूत बने हुए हैं, शहरी बेरोजगारी 6.6% पर स्थिर है, लैंगिक असमानताएं बनी हुई हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी में सुधार हुआ है, किन्तु महत्वपूर्ण अंतराल बने हुए हैं, जोकि राष्ट्र की समग्र उत्पादकता क्षमता को सीमित करते हैं। इन लैंगिक असमानताओं को दूर करने से आगे आर्थिक विकास को गति मिल सकती है।
- **महत्वपूर्ण खनिज संसाधन:** भारत में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। ये खनिज प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनकी वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। भारत इन खनिजों को उनके आर्थिक विकास के लिए एक बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। देश इन प्राकृतिक संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करके अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकता है।

महाकुंभ मेला 2025

संदर्भ: महाकुंभ मेला, विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक, 13 जनवरी, 2025 से भारत के पवित्र शहर प्रयागराज में आरंभ हो रहा है। यह पवित्र त्योहार हर बारह वर्षों में आयोजित किया जाता है और इस बार यह 45 दिनों तक चलेगा। अनुमान है कि इस दौरान लगभग 45 करोड़ श्रद्धालु, जिनमें से 15 लाख विदेशी श्रद्धालु शामिल हैं, यहां एकत्र होंगे। यह पवित्र मेला पौष पूर्णिमा के पावन स्नान के साथ शुरू होगा और 26 फरवरी, 2025 को समाप्त होगा।

कुंभ मेला की पौराणिक उत्पत्ति:

- कुंभ शब्द का अर्थ संस्कृत में ‘घड़ा’ होता है। यह शब्द इस महान धार्मिक उत्सव का केंद्रबिंदु है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं और दानवों ने मिलकर समुद्र मंथन किया था। इस मंथन से अमृत निकला था। जब यह अमृत कलश में रखा गया था, तब कुछ बूंदें अमृत की इस धरती पर चार स्थानों पर गिर गई थीं: हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक। ये स्थान हर बारह वर्ष में आयोजित होने वाले कुंभ मेले की मेजबानी करते हैं। यह मेला देवताओं द्वारा समुद्र मंथन के बारह दिवसीय काल को चिह्नित करता है।

कुंभ मेला का ऐतिहासिक विकास:

- कुंभ मेले की जड़ें प्राचीन भारतीय ग्रंथों, विशेषकर वेदों में मिलती हैं। समुद्र मंथन की पौराणिक कथा इसके मूल में निहित है। हालांकि, 12वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य के योगदान से कुंभ मेले को एक दार्शनिक आधार मिला और इसे एक संगठित रूप दिया गया।
- भक्ति आंदोलन के उदय के साथ, कुंभ मेला एक जन-आंदोलन में

परिवर्तित हो गया। साधु-संतों ने इस मेले में सक्रिय रूप से भाग लिया और लोगों को धर्म के प्रति जागरूक किया।

चार पवित्र शहर:

- **हरिद्वार:** जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करता है, तो तीर्थयात्री पवित्र गंगा नदी में स्नान करते हैं।
- **प्रयागराज:** गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम के लिए जाना जाता है, यह हर 12 वर्षों में महाकुंभ की मेजबानी करता है।
- **उज्जैन:** जब बृहस्पति सिंह राशि में होता है, तो क्षिप्रा नदी मेला की मेजबानी करती है।
- **नासिक-त्र्यंबकेश्वर:** जब बृहस्पति सिंह राशि में संरेखित होता है, तो गोदावरी नदी मेला की मेजबानी करती है।

कुंभ मेला का महत्व:

- **आध्यात्मिक प्रासंगिकता:** कुंभ मेला आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर अनुष्ठानिक स्नान। तीर्थयात्रियों का मानना है कि गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम में यह डुबकी उनके पापों को शुद्ध करती है और मोक्ष (आध्यात्मिक मुक्ति) प्रदान करती है।
- **सांस्कृतिक प्रदर्शन:** कुंभ मेला भारतीय संस्कृति का भी उत्सव है, जिसमें भक्तिमय कीर्तन, भजन और कथक, भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी जैसे शास्त्रीय नृत्य शामिल हैं। ये प्रदर्शन आध्यात्मिक एकता और दिव्य भक्ति को उजागर करते हैं।
- **ज्योतिषीय समय:** यह आयोजन सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति के संरेखण के अनुसार समयबद्ध होता है, जोकि त्योहार की आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाता है। यह ज्योतिषीय संबंध मेला के पवित्र महत्व को बढ़ाता है, जिससे यह आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक सकरात्मक ऊर्जा का समय बन जाता है।
- **सिंहस्थ कुंभ:** जब बृहस्पति ग्रह सिंह राशि में होता है, तब नासिक और उज्जैन में आयोजित कुंभ मेले को सिंहस्थ कुंभ कहा जाता है। यह खगोलीय संयोग मेले के आध्यात्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा देता है, जिसके परिणामस्वरूप इसमें बड़ी संख्या में तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

कुंभ मेला: राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक:

- कुंभ मेला राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है। 2017 में, यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी और पीढ़ियों के बीच आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में इसके स्थायी प्राचीन परंपराओं और इसके महत्व को स्वीकार किया।

जंगल की आग को बुझाने में गुलाबी अग्निशमन द्रव्य का उपयोग

संदर्भ: हाल ही में दक्षिणी कैलिफोर्निया में लगी विनाशकारी जंगल की आग पर काबू पाने के लिए फॉस-चेक सहित गुलाबी अग्निशमन द्रव्य का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। हजारों गैलन गुलाबी अग्निशमन द्रव्य को विमानों से छिड़का जा रहा है ताकि लॉस एंजिल्स और आसपास के इलाकों में आग के प्रसार को रोका जा सके।

गुलाबी अग्निशमन द्रव्य क्या है?

- गुलाबी अग्निशमन द्रव्य एक रासायनिक मिश्रण है जिसका उपयोग आग को धीमा करने के लिए किया जाता है, विशेष रूप से जंगल की आग बुझाने के प्रयासों में। संयुक्त राज्य अमेरिका में उपयोग किए जाने वाले अग्निशमन द्रव्य का सबसे आम ब्रांड फॉस-चेक है।
  - **संरचना:** फॉस-चेक मुख्य रूप से तीन घटकों से बना है:
  - **पानी:** मिश्रण में प्राथमिक विलायक।
  - **उर्वरक:** इसमें अमोनियम लवण होते हैं, जैसे डायमोनियम फॉस्फेट ($[NH4]2HPO4$ और अमोनियम पॉलीफॉस्फेट ($(NH4PO3)n$)।
- **रंजक (Pigment):** गुलाबी रंग इसलिए डाला जाता है ताकि दमकलकर्मी आसानी से पहचान सकें कि उन्होंने आग बुझाने के लिए कहाँ-कहाँ दवा का छिड़काव किया है। इससे उन्हें आग को रोकने के लिए एक सुरक्षित सीमा बनाना आसान हो जाता है।
- फॉस-चेक में मौजूद लवण, विशेष रूप से अमोनियम पॉलीफॉस्फेट, पानी की तुलना में अधिक समय तक रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं, क्योंकि वे आसानी से वाष्पित नहीं होते हैं। इससे आग और ज्यादा

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

फैलने से रुक जाती है और सुरक्षा बढ़ जाती है।

यह कैसे काम करता है?

- अग्निशमन द्रव्य को आग के आगे छिड़का जाता है ताकि पेड़-पौधों पर एक सुरक्षात्मक परत बन जाए। यह परत आग को फैलने से रोकती है क्योंकि यह हवा में मौजूद ऑक्सीजन को आग तक पहुंचने से रोकती है। जब यह द्रव्य पौधों के रेशों के साथ मिलता है तो यह आग की गर्मी को सोख लेता है और पौधों को जलने से बचाता है

क्या हैं चिंताएं?

- व्यापक उपयोग के बावजूद, फॉस-चेक के अग्निशमन द्रव्य के रूप में उपयोग के संबंध में कई चिंताएं हैं:
- **विषाक्त धातु:** 2024 में एक अध्ययन से पता चला है कि फॉस-चेक में हानिकारक भारी धातुएं, जिनमें क्रोमियम और कैडमियम शामिल हैं। ये धातुएं गुर्दा और यकृत रोग जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, 2009 और 2021 के बीच 400 टन से अधिक भारी धातुओं के उत्सर्जन से पर्यावरण प्रदूषण में वृद्धि हुई है।
- **जल प्रदूषण:** अग्निशमन द्रव्यों से निकलने वाली विषाक्त धातुएं स्थानीय जलमार्गों में प्रवेश कर सकती हैं, जिससे नदियों और धाराओं में प्रदूषण होता है। यह जलीय जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है, संभावित रूप से पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाता है।
- **अग्निशमन द्रव्यों की प्रभावशीलता:** फॉस-चेक जैसे हवाई अग्निशमन द्रव्यों की प्रभावशीलता ढलान, ईंधन के प्रकार, भू-भाग और मौसम जैसी विभिन्न परिस्थितियों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में हो रहे बदलावों ने अग्निशमन कार्यों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है

विनाशकारी जंगल की आग के कारण:

- दक्षिणी कैलिफोर्निया में लगातार और विनाशकारी जंगल की आग कई कारकों से प्रभावित होती है:
- **सूखा:** इस क्षेत्र में लंबे समय से सूखा पड़ रहा है, हाल के महीनों में अधिक वर्षा नहीं हुई है, जिससे जंगल की आग शुरू होने और तेजी से फैलने के लिए सही वातावरण बन गया है।
- **सांता अना हवाएं:** गर्म और शुष्क हवाएं, जिन्हें सांता अना हवाएं के रूप में जाना जाता है, इस क्षेत्र में सामान्य हैं और आग के प्रज्वलन और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन जंगल की आग की आवृत्ति, तीव्रता और मौसम की लंबाई को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। बढ़ते तापमान, लंबे समय तक सूखा और बदलते मौसम के पैटर्न सभी कैलिफोर्निया में अधिक विनाशकारी जंगल की आग में योगदान दे रहे हैं।

पॉवर पैक्ड न्यूज

भारत 2026 में सीएसपीओसी सम्मेलन की मेजबानी करेगा

- भारत 2026 में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) की मेजबानी करेगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ग्वेर्नसे में सीएसपीओसी की स्थायी समिति की बैठक में इस आयोजन की घोषणा की।
- 28वें सीएसपीओसी का मुख्य विषय संसदीय प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया के उपयोग पर केंद्रित होगा। सीएसपीओसी मंच का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संसदीय प्रथाओं और सहयोग का आदान-प्रदान करना है।
- भारत की मेजबानी उसकी समृद्ध परंपराओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी। भारत इससे पहले 1970-71, 1986 और 2010 में इस आयोजन की मेजबानी कर चुका है।

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025

- डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को 2025 का प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला। यह सम्मान उन्हें स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक कल्याण, और भारत तथा सऊदी अरब के संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए दिया गया।
- डॉ. खुर्शीद ने किंग फैसल अस्पताल में तीन दशक और नेशनल गार्ड अस्पताल में एक दशक तक रॉयल प्रोटोकॉल फिजिशियन के रूप में सेवा दी है। उन्होंने भारतीय प्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवा, वैक्सीन वकालत, और 24 घंटे परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान कीं।
- ताइफ (सउदी अरब के मक्का प्रान्त में स्थित एक शहर) में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय भारतीय स्कूल की स्थापना की, जो प्रवासी भारतीय समुदाय में शैक्षिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक समावेशन को बढ़ावा देता है। वे सऊदी-भारतीय हेल्थकेयर फोरम के उपाध्यक्ष भी हैं।

- यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2025

- हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2025 में भारत की रैंकिंग गिरकर 85वीं हो गई है, जबकि 2024 में यह 80वीं थी। सिंगापुर ने लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष स्थान प्राप्त किया।
- हेनले एंड पार्टनर्स द्वारा जारी यह सूचकांक अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन प्राधिकरण (आईएटीए) के आंकड़ों पर आधारित है और इसमें 199 पासपोर्ट तथा 227 यात्रा गंतव्यों को शामिल किया गया है। सूचकांक के अनुसार, भारत के पासपोर्ट धारकों को 57 गंतव्यों तक वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा है।
- पाकिस्तान की रैंकिंग 103वीं और बांग्लादेश की 100वीं है।
- शीर्ष पांच देशों में सिंगापुर, जापान और विभिन्न यूरोपीय देश शामिल हैं। यह सूचकांक पासपोर्ट की वैश्विक ताकत का आकलन करता है और 19 वर्षों के ऐतिहासिक डेटा पर आधारित है।

जोसेफ औन बने लेबनान के राष्ट्रपति

- लेबनान की संसद ने सेना कमांडर जोसेफ औन को देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना। वह राष्ट्रपति बनने वाले पांचवें पूर्व सेना कमांडर हैं।
- मार्च 2017 में उन्हें सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था और इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के दौरान उनका कार्यकाल दो बार बढ़ाया गया।
- लेबनान में राष्ट्रपति को पहले दौर में दो-तिहाई बहुमत या अगले दौर में साधारण बहुमत से चुना जाता है।
- दो साल के अंतराल के बाद यह चुनाव संपन्न हुआ। औन का कार्यकाल क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान पर केंद्रित होगा।

मध्य प्रदेश सरकार की पार्थ योजना

- मध्य प्रदेश सरकार ने युवाओं को सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों में भर्ती से पहले मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए पार्थ योजना शुरू की है।
- पार्थ योजना का पूरा नाम 'पुलिस सेना भर्ती प्रशिक्षण और हुनर' है।
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में इसका शुभारंभ किया। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को शारीरिक फिटनेस और लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए पूर्व प्रशिक्षण मिलेगा। उन्हें खेल विभाग की अधोसंरचना में प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- सरकार एक युवा पोर्टल बनाएगी, जहां इच्छुक युवा अपना पंजीकरण करा सकेंगे।
- पोर्टल पर प्रशिक्षण केंद्रों की सूची भी उपलब्ध होगी। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com